भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. †2161

सोमवार, 9 दिसम्बर, 2024/18 अग्रहायण, 1946 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

कृषि पर्यटन को बढ़ावा देना

†2161. श्री विशालदादा प्रकाशबापू पाटीलः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सांगली लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र में प्रमुख पर्यटन परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार की देश में कृषि पर्यटन को बढ़ावा देने की कोई योजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा इस संबंध में क्या कार्रवाई की गई है;

(ग) क्या सांगली को कृषि पर्यटन क्लस्टर बनाने पर विचार किया जा रहा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) यदि नहीं, तो महाराष्ट्र राज्य के लिए सरकार की नई परियोजनाओं का पूर्ण ब्यौरा क्या है; और

(ङ) सरकार द्वारा देश भर में सतत् पर्यटन मॉडल विकसित करने के लिए उठाए जा रहे कदमों का ब्यौरा क्या है, ताकि पर्यटन स्थल स्वच्छ और पर्यटक अनुकूल रहें?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ड.): जबकि पर्यटन स्थलों का विकास मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन द्वारा किया जाता है, पर्यटन मंत्रालय 'स्वदेश दर्शन', 'तीर्थयात्रा जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद) पर राष्ट्रीय मिशन' और 'पर्यटन अवसंरचना विकास के लिए केंद्रीय एजेंसियों को सहायता' की योजनाओं के तहत देश के विभिन्न पर्यटन स्थलों पर पर्यटन से संबंधित अवसंरचना और सुविधाओं के विकास के लिए राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों/केंद्रीय एजेंसियों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

पर्यटन मंत्रालय ने हाल ही में स्वदेश दर्शन योजना को स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0) के तौर पर नया रूप दिया है, जिसका उद्देश्य गंतव्य और पर्यटन-केंद्रित दृष्टिकोण अपनाते हुए सतत और जिम्मेदारीयुक्त पर्यटन स्थलों का विकास करना है।

भारत सरकार ने 'पूंजी निवेश के लिए राज्यों की विशेष सहायता योजना 2024-25' (एसएएससीआई) के तहत महाराष्ट्र राज्य में भी पर्यटन परियोजनाओं को मंजूरी दी है।

महाराष्ट्र राज्य में उपर्युक्त योजनाओं के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण **अनुबंध-I** में दिया गया है।

पर्यटन मंत्रालय की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिए समय-समय पर राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों से प्रस्ताव प्राप्त होते हैं। इन प्रस्तावों को निर्धारित प्रावधानों की पूर्ति और धन की उपलब्धता के आधार पर स्वीकृति प्रदान की जाती है।

पर्यटन मंत्रालय भारत का समग्र रूप से संवर्धन करता है। अपनी चल रही गतिविधियों के हिस्से के रूप में, यह ग्रामीण पर्यटन सहित देश के विभिन्न पर्यटन स्थलों और उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए, जिसमें कृषि-पर्यटन शामिल है, विदेशों में महत्वपूर्ण और संभावित बाजारों में वैश्विक प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और ऑनलाइन मीडिया अभियान जारी करता है।

पर्यटन मंत्रालय ने भारत में ग्रामीण पर्यटन के विकास के लिए राष्ट्रीय रणनीति और रोडमैप - 'आत्मनिर्भर भारत और सतत पर्यटन के लिए राष्ट्रीय रणनीति की दिशा में एक पहल', तैयार किया है।

स्वदेश दर्शन योजना के ग्रामीण परिपथ थीम के तहत पर्यटन के बुनियादी ढांचे के विकास के लिए स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण **अनुबंध-II** में दिया गया है।

पर्यटन मंत्रालय ने सर्वश्रेष्ठ पर्यटन ग्राम की प्रतियोगिता के दो संस्करण आयोजित किए हैं, जिसमें उन गांवों को सम्मानित किया गया है, जो समुदाय-आधारित मूल्यों, वस्तुओं और जीवन शैली को संरक्षित और बढ़ावा देने वाले पर्यटन स्थल का सबसे अच्छा उदाहरण हैं और पर्यटन को सकारात्मक बदलाव के चालकों में से एक बनाने के व्यापक लक्ष्य के साथ स्थिरता के लिए स्पष्ट प्रतिबद्धता रखते हैं।

पर्यटन मंत्रालय ने मिशन लाइफस्टाइल फॉर एनवायरनमेंट (एलआईएफई) के तहत एक क्षेत्रीय कार्यक्रम 'ट्रैवल फॉर लाइफ' लॉन्च किया। ट्रैवल फॉर लाइफ का उद्देश्य पर्यटन क्षेत्र में स्थिरता को मुख्यधारा में लाना, जागरूकता पैदा करना और पर्यटकों और पर्यटन व्यवसायों को प्रकृति के साथ तालमेल बिठाने वाली स्थायी प्रथाओं को अपनाने के लिए प्रेरित करना है।

****

अनुबंध-I

श्री विशालदादा प्रकाशबापू पाटील द्वारा कृषि पर्यटन को बढ़ावा देने के संबंध में दिनांक 09.12.2024 को पूछे जाने वाले लोकसभा लिखित प्रश्न संख्या 2161 के भाग (क) से (ड.) के उत्तर में **विवरण**

स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण

क्र. सं.	**परिपथ/ स्वीकृति वर्ष**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि (करोड़ रु. में)**
1.	तटीय परिपथ 2015-16	सिंधुदुर्ग तटीय परिपथ - सागरेश्वर, तारकरली, विजयदुर्ग (समुद्र तट और क्रीक), मितभाव का विकास	19.06
2.	आध्यात्मिक परिपथ 2018-19	वाकी- अदासा- धापेवाड़ा- पारदसिंघा- तेलनखंडी- गिराड का विकास	45.47

स्वदेश दर्शन 2.0 योजना के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण

क्र. सं.	**गंतव्य**	**एक्सपीरियन्स का नाम**	**स्वीकृत लागत (करोड़ रु. में)**	**स्वीकृति तिथि**
1.	पुणे	शिवसृष्टि हिस्टॉरिकल थीम पार्क - चरण 3	76.22	21-09-2024

प्रशाद योजना के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण

क्र. सं.	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृति वर्ष**	**स्वीकृत लागत (करोड़ रु. में)**
1.	त्र्यंबकेश्वर का विकास	2017-18	42.18

पर्यटन अवसंरचना विकास के लिए केंद्रीय एजेंसियों को सहायता की योजना के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण

क्र. सं.	**वर्ष**	**परियोजना का नाम**	**एजेंसी**	**स्वीकृत राशि (लाख रु. में)**
1.	2016-17	कान्होजी आंग्रे लाइटहाउस को पर्यटन गंतव्य के रूप में विकसित करने के लिए मुंबई पोर्ट	मुंबई पोर्ट ट्रस्ट	1500.00

		ट्रस्ट को केंद्रीय वित्तीय सहायता		
2.	2016-17	नांदेड़ रेलवे स्टेशन का संयुक्त विकास	रेल मंत्रालय	518.00
3.	2017-18	इंदिरा डॉक, मुंबई में अंतर्राष्ट्रीय क्रूज टर्मिनल का उन्नयन/आधुनिकीकरण	मुंबई पोर्ट ट्रस्ट	1250.00
4.	2017-18	औरंगाबाद रेलवे स्टेशन का संयुक्त विकास	रेल मंत्रालय	571.00
5.	2021-22	इंदिरा डॉक, मुंबई पोर्ट ट्रस्ट में अंतर्राष्ट्रीय क्रूज टर्मिनल का उन्नयन/आधुनिकीकरण	मुंबई पोर्ट ट्रस्ट	3750.00

एसएएससीआई योजना के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण

क्र. सं.	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत लागत (करोड़ रु. में)**
1.	पूर्व आईएनएस गुलदार अंडरवाटर म्यूजियम, कृत्रिम चट्टान और पनडुब्बी पर्यटन, सिंधुदुर्ग	46.91
2.	नासिक में "राम-काल पथ" का विकास	99.14

****

अनुबंध-II

श्री विशालदादा प्रकाशबापू पाटील द्वारा कृषि पर्यटन को बढ़ावा देने के संबंध में दिनांक 09.12.2024 को पूछे जाने वाले लोकसभा लिखित प्रश्न संख्या 2161 के भाग (क) से (ड.) के उत्तर में **विवरण**

देश में स्वदेश दर्शन योजना के ग्रामीण परिपथ के अंतर्गत स्वीकृत परियोजना का विवरण

क्र. सं.	**राज्य का नाम**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि (करोड़ रु. में)**
1.	बिहार	भितिहरवा- चंद्रहिया- तुरकौलिया का विकास	44.27
2.	केरल	मालानाड मालाबार क्रूज़ पर्यटन परियोजना का विकास	57.35

****